अनुक्रमणिका

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम अध्याय -- १ से ३४

यशपाल : जीवन-वृत्त तथा साहित्य-साधना

द्वितीय अध्याय -- ३५ से ६१

क्रान्ति का आशय : भारत के क्रान्ति-आंदोलन का इतिहास.

तृतीय अध्याय -- ६२ से १३६

यशपाल की उपन्यास-साधना : एक परिचय

अ] दादा कामरेड.

आ] दिव्या

इ] देशद्रोही

ई] पार्टी कामरेड

उ] मनुष्य के रूप

ऊ] झूठा सच

ए] अमिता

ऐ] बारह घण्टे

ओ] अप्सरा का श्राप

औ] क्यों फँसे

अं] मेरी तेरी उसकी बात.

चतुर्थ अध्याय -- १३८ से २०४

यशपाल के उपन्यासों के क्रान्तिकारी पात्र :

"सशस्त्र क्रान्तिकारी" तथा

"सामाजिक क्रान्तिकारी" पात्र

पंचम अध्याय -- २०५ से २१०

उपसंहार --

क] ग्रंथ सूची.